University in News on 21 July 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब स्नातक के विद्यार्थी भी दे सकेंगे यूजीसी नेट

लविवि : चार वर्षीय स्नातक करने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगा मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय बन चुका है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को यूजीसी नेट देने का सीधा अवसर मिलेगा। इसके लिए उन्हें परास्नातक करने की जरूरत नहीं होगी। अभी तक यूजीसी नेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के लिए परास्नातक होना अनिवार्य था।

चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थी यूजीसी नेट परीक्षा में शामिल होने के साथ ही सीधे पीएचडी में प्रवेश लेने के पात्र होंगे। इसके लिए भी उन्हें परास्नातक की पढ़ाई की करने की आवश्यकता नहीं होगी। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए जो शर्त निर्धारित है, वह यह कि स्नातक के तीन वर्षों में अभ्यर्थी को कुल 7.5 सीजीपीए यानी 75 प्रतिशत अंक हासिल करने होंगे।

हालांकि ऐसे विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक नहीं होगी। चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थी को विश्वविद्यालय यूजी विद

रिसर्च ऑनर्स की उपाधि देगा। नई शिक्षा नीति में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्नातक को चार वर्षीय पाठ्यक्रम बनाया गया है। पहले विद्यार्थी को तीन वर्ष में स्नातक की उपाधि मिल जाती थी। एनईपी में विद्यार्थी को मल्टीपल एंट्री व एग्जिट की सुविधा भी है, विद्यार्थी अपनी सहूलियत के हिसाब से पढ़ाई बीच में छोड़कर दोबारा शुरू कर पाएगा।

विद्यार्थी परास्नातक के बिना ही नेट (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) देने के पात्र होंगे। अभी नेट वही विद्यार्थी दे सकते हैं जिन्हों पीजी कर लिया है अथवा परास्नातक का एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। लविवि में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थी भी इसके पात्र होंगे। उन्हें परीक्षा में शामिल होने के लिए पीजी करने की जरूरत नहीं होगी।

24 से 27 जुलाई तक होंगे आचार्य के लिए दाखिले

■ लखनऊ। आचार्य पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने अभ्यर्थियों को लविवि 24 से 27 जुलाई तक प्रवेश देगा। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन फॉर्म भरा है, वह इन तिथियों में अपने मूल दस्तावेजों के साथ प्राच्य संस्कृत विभाग में उपस्थित रहकर काउंसिलिंग करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही विवि ने बीबीए और बीबीए टूरिज्म के लिए फाइनल मेरिट सूची जारी कर दी है। मेरिट में शामिल अभ्यर्थी 22 जुलाई तक ऑनलाइन काउंसिलिंग और चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। (संवाद)

14 कोर्सों के परिणाम जारी

■ लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने शनिवार को 14 कोर्सों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। जिन कोर्सों के परीक्षा परिणाम जारी किए गए हैं उसमें बीए, बीबीए, एमए, एमएससी, एलएलबी, बीलिब व बीबॉक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शामिल हैं। (संवाद)

लविवि : हर साल जुलाई में होंगे मल्टीपल एंट्री के दाखिले

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री की सुविधा देने जा रहा है। विवि हर साल जुलाई में प्रत्येक विषम सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों के सापेक्ष इसमें प्रवेश लेगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में एक नौ सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति एनईपी के तहत मल्टीपल एंट्री के संबंध में अपनी सिफारिशें देने के साथ ही विस्तृत नियमावली तैयार करेगी। इस समिति में (रि.) प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रो. वीके शर्मा डीन एडमिशन, प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. पंकज माथुर, प्रो. राममिलन, प्रो. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. रचना मुज्जू और डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा शामिल हैं। समिति के सिफारिशों को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा जाएगा। यहां से पास होने के बाद इसे विद्यार्थियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

प्रति कुलपति की निगरानी में समिति का गठन

केकेसी में अब 22 तक होगी काउंसिलिंग

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथि बढ़ा दी गई है। अब बीए, बीकॉम और बीएससी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विद्यार्थी 22 जुलाई तक काउंसिलिंग करवा सकते हैं। प्रवक्ता डॉ. विजयराज श्रीवास्तव ने बताया कि 20 जुलाई तक काउंसिलिंग की तिथि घोषित की गई थी। मेरिट में बड़ी तादाद में शामिल विद्यार्थियों द्वारा तय अवधि में काउंसिलिंग करा पाना मुश्किल है, इसी के चलते तिथि दो दिन और बढ़ाई गई है। (संवाद)

नगर निगम कॉलेज ने की दूसरी मेरिट जारी

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शनिवार को दूसरी मेरिट सूची जारी कर दी। अनारक्षित वर्ग के लिए कटऑफ 42.20 और पिछड़ा वर्ग के लिए यह 41 प्रतिशत तय किया गया है। प्राचार्य प्रो. सुभाष चंद्र पांडेय ने बताया कि मेरिट सूची में शामिल सभी अभ्यर्थी 22 व 23 जुलाई को कॉलेज परिसर में सुबह नौ बजे से एक बजे तक काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू टॉप 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में

उपलब्धि

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय को वेबमेट्रिक्स रैंकिंग 2024 जुलाई संस्करण में देश के शीर्ष 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है।

एलयू को पूरे देश के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में 98वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है। वेबमेट्रिक्स रैंकिंग में जगह बनाने वाला एलयू प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्व के विश्वविद्यालयों की वेबमेट्रिक्स रैंकिंग साइबरमेट्रिक्स लैब की एक पहल है।

यह स्पेन के कॉन्सेजो सुपीरियर डी इंवेस्टिगेशियन्स साइंटिफिकस (सीएसआईसी) से जुडा एक रिसर्च ग्रुप है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के 31,000 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने के बाद वेबमेट्रिक्स रैंकिंग दी जाती है।

कुलपति के मुताबिक एलयू देश का अग्रणी शैक्षणिक संस्थान है। यह रैंकिंग हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का फल है। जिसकी वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय को उपलब्धि हासिल हुई है।

स्नातक में कई बार दाखिले की सुविधा

एलयू

■ जुलाई में विषम सेमेस्टर की रिक्त सीटों पर प्रवेश
■ समिति प्रो. कुलपति की अध्यक्षता में गठित हुई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक स्तर पर कई बार दाखिले (मल्टीपल एंट्री) की सुविधा देने के लिए समिति का गठन किया गया है। प्रो. कुलपति की अध्यक्षता में बनी समिति में रिटायर्ड प्रो. अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता प्रवेश प्रो. वीके शर्मा, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर, वाणिज्य विभाग के हेड प्रो. राम मिलन, आरएमपी कॉलेज सीतापुर के प्राचार्य प्रो. रजनीकांत श्रीवास्तव, वाणिज्य अधिष्ठाता प्रो. रचना मुच्जू को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जबकि सदस्य सचिव के तौर अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा नामित हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू में अभी तक एनईपी के तहत मल्टीपल एग्जिट की सुविधा थी। लेकिन अब इसके साथ स्नातक स्तर पर मल्टीपल एंट्री की भी सुविधा मिलेगी। इसका मतलब यह है कि विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रम के बीच में भी प्रवेश ले सकेंगे। हर वर्ष जुलाई में प्रत्येक विषम सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रवेश लेगा।

आचार्य में प्रवेश को 24 से वेरिफिकेशन

लखनऊ। एलयू में एमए आचार्य में प्रवेश के लिए 24 से 27 जुलाई तक आहर्ता जांच और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थियों को 24 से 27 जुलाई तक प्राच्य संस्कृत विभाग में सुबह 10 बजे उपस्थित होना होगा। लिए मूल प्रमाण पत्र और छायाप्रति लाना अनिवार्य है।

TOI PAGE 5

LU only state univ in UP to rank in global top 100 list

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University figured in the top 100 list in the latest edition of Webometrics Ranking of World Universities. LU was ranked 98th among overall higher education institutions in the country and 47th among the universities of India.

According to the university officials, LU is the only state university in UP to feature in the top 100 of this ranking.

Lucknow University ranked 47th

"Webometrics Ranking of World Universities is an initiative of the Cybermetrics Lab, a research group belonging to the Consejo Superior de Investigaciones Científicas (CSIC), Spain. The ranking system evaluates over 31,000 higher education institutions worldwide, providing valuable insights into their performance and impact," said LU vice-chancellor Alok Kumar Rai, adding that Webometrics was a renowned ranking system that assessed universities worldwide based on their web presence, impact, openness, and excellence. "It has recognised the University of Lucknow for its significant contributions and growing influence on the academic community, said Rai, adding, "This reflects the institution's ongoing commitment to academic excellence, research output, and global visibility and this ranking is a testament to the hard work and dedication of our faculty, students and staff. It reflects our ongoing efforts to enhance our academic programmes, research initiatives and community outreach. We are committed to maintaining this momentum and continuing to achieve excellence in all our endeavors. LU's notable ranking in Webometrics underscores its status as a premier institution of higher learning, dedicated to fostering a vibrant academic environment and making a positive impact on society."

i-NEXT PAGE 4

एलयू में स्टूडेंट्स को मल्टीपल एंट्री की सुविधा

प्रति कुलपति की अध्यक्षता में बनाई नौ सदस्यीय कमेटी

LUCKNOW (20 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय अब छात्र-छात्राओं को स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री की सुविधा भी देगा. विद्यार्थी कोर्स के बीच में भी प्रवेश ले सकेंगे. इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है. स्नातक में एनईपी लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है. अभी तक विश्वविद्यालय एनईपी 2020 के तहत मल्टीपल एग्जिट (स्नातक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम में किसी भी वर्ष निकलने की सुविधा) दे रहा था. अब स्नातक स्तर पर मल्टीपल एंट्री की भी सुविधा देने जा रहा है. विद्यार्थी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के बीच में भी प्रवेश ले सकेंगे. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार हर वर्ष जुलाई में प्रत्येक विषम सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में खाली सीटों के सापेक्ष प्रवेश लिए जाएंगे.

JAGRAN CITY PAGE III

थाईलैंड के छात्रों का पहला दल पहुंचा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने थाईलैंड से आए हुए दस विदेशी छात्रों ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ में रिपोर्टिंग की। ये छात्र अंग्रेजी संचार में प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का अध्ययन करने आए हैं, जो अंग्रेजी विभाग में संचालित होगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें संबोधित करते हुए कम्युनिकेशन अध्ययन में सामाजिक और सांस्कृतिक परिपेक्ष्य के बारे में बताया। भारतीय संस्कृति खान पान पर चर्चा भी की। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने उन्हें कला संकाय के विषय में बताया। अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. आरपी सिंह ने उन्हें परिसर का भ्रमण कराया। इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए 76 देशों से लगभग 1800 आवेदन आए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को मिलेगी मल्टीपल एंट्री की सुविधा

कुलपति ने प्रति कुलपति की अध्यक्षता में बनाई नौ सदस्यीय कमेटी

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय अब छात्र-छात्राओं को स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री की सुविधा भी देगा। विद्यार्थी कोर्स के बीच में भी प्रवेश ले सकेंगे। इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है।

स्नातक में एनईपी लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। अभी तक विश्वविद्यालय एनईपी 2020 के तहत मल्टीपल एग्जिट (स्नातक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम में किसी भी वर्ष निकलने की सुविधा) दे रहा था। अब स्नातक स्तर पर मल्टीपल एंट्री की भी सुविधा देने जा रहा है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के बीच में भी प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार हर वर्ष जुलाई में प्रत्येक विषम सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में खाली सीटों के सापेक्ष प्रवेश लिए जाएंगे।

कमेटी में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना चेयरमैन, पूर्व डीन आर्ट प्रो. अरविंद अवस्थी, डीन एडमिशन प्रो.वीके शर्मा, समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी, गणित विभाग के प्रो. पंकज माथुर, कामर्स विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन, आरएमपी पीजी कालेज सीतापुर के प्राचार्य प्रो. रजनी कांत श्रीवास्तव, डीन कामर्स प्रो. रचना मुज्जू को बतौर सदस्य और डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा को सदस्य सचिव के रूप में शामिल किया गया है।

डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि कुलपति की ओर से बनाई गई कमेटी मल्टीपल एंट्री को लेकर अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द सौंपेगी। इसे आगामी 31 जुलाई को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। इसके बाद नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय वेब मेट्रिक्स की शीर्ष रैंकिंग में शामिल

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय को वेब मेट्रिक्स रैंकिंग में देश के समग्र उच्च शिक्षा संस्थानों में 98वां और भारत के विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान मिला है। यह उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है, जो इस रैंकिंग के शीर्ष 100 में शामिल हुआ है। विश्वविद्यालयों की वेब मेट्रिक्स रैंकिंग साइबर मेट्रिक्स लैब की एक पहल है, जो स्पेन के कांसेजो सुपीरियर डी इंवेस्टिगेशियंस साइंटिफिकस (सीएसआईसी) से संबंधित एक शोध समूह है। रैंकिंग प्रणाली में दुनिया भर में 31 हजार से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन किया गया। इसमें विश्वविद्यालयों को उनकी वेब उपस्थिति, प्रभाव, खुलेपन और उत्कृष्टता के आधार पर मापा गया। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक में ए डबल प्लस की श्रेणी है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि यह रैंकिंग हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध पहल और सामुदायिक आउटरीच को बढ़ाने के प्रयास को दर्शाता है। वेब मेट्रिक्स में लखनऊ विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय रैंकिंग उच्च शिक्षा के एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को रेखांकित करती है, जो एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समर्पित है।

PIONEER PAGE 4

WEBOMETRICS RANKING

LU 98th among HEIs, 47th among Indian universities

Lucknow (PNS): Lucknow University has announced its latest ranking in the Webometrics Ranking of World Universities. The university is ranked 98th among higher education institutions (HEIs) in India and 47th among Indian universities. It is the only state university in Uttar Pradesh to make it into the top 100.

The Webometrics Ranking, conducted by the Cybermetrics Lab of the Consejo Superior de Investigaciones Cientificas (CSIC) in Spain, evaluates over 31,000 higher education institutions globally. The ranking assesses universities based on their web presence, impact, openness, and academic excellence. LU spokesperson Durgesh Srivastava noted, "The Webometrics ranking reflects the University of Lucknow's contributions and growing influence in the academic community." He added that the university continues to be a significant educational institution in India, offering a range of programs and fostering academic rigour and innovation.

AMRIT VICHAR PAGE 5

टॉप 100 में लखनऊ विवि का 47वां स्थान

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय को वेबमेट्रिक्स रैंकिंग 2024 जुलाई संस्करण में देश के शीर्ष 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय को पूरे देश के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में 98वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है। वेबमेट्रिक्स रैंकिंग में जगह बनाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्व के विश्वविद्यालयों की वेबमेट्रिक्स रैंकिंग साइबरमेट्रिक्स लैब की एक पहल है। यह स्पेन के कॉन्सेजो सुपीरियर डी इंवेस्टिगेशियन्स साइंटिफिकस (सीएसआईसी) से जुडा एक रिसर्च ग्रुप है।

31 हजार संस्थानों के मूल्यांकन के बाद मिलती है रैंक : उन्होंने कहा कि दुनिया भर के 31,000 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने के बाद वेबमेट्रिक्स रैंकिंग प्रदान की जाती है। कुलपति के मुताबिक एलयू अब देश का एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है। यहां एनईपी 2020 कार्यान्वयन, यूजी कार्यक्रम में चौथे वर्ष का पहला बैच, क्रेडिट ट्रांसफर, कई प्रविष्टियां और पहला एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम है।

इस रैंक में शामिल यूपी का पहला उच्च संस्थान बना लविवि

मेरिट के आधार पर होंगे प्रवेश

लखनऊ विश्वविद्यालय में होने जा रही प्रवेश परीक्षा के बाद जो परिणाम आयेगा उसी के आधार पर छात्रों की मेरिट तय की जायेगी। इस बार कई विषयों में प्रवेश के लिए छात्रों को हाई मेरिट का सामना करना होगा। जिन छात्रों ने दूसरी जगह से फार्म नहीं भरा होगा उनको दिक्कत हो सकती है।

यूजीसी में प्रथम और एनआईआरएफ रैंकिंग में भी शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस मान्यता, यूजीसी प्रथम श्रेणी विवि का दर्जा, एनआईआरएफ रैंकिंग आदि पाने वाला यूपी का पहला राज्य विश्वविद्यालय होने का श्रेय है। कुलपति का कहना है कि यह रैंकिंग हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध पहलों और सामुदायिक आउटरीच को बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दिखाता है।

आचार्य कोर्स में प्रवेश के लिए 24 से सत्यापन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के आचार्य पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए, अभ्यर्थियों को 24 से 27 जुलाई के बीच प्राच्य संस्कृत विभाग में सभी मूल अंक पत्र, प्रमाण पत्र और उनकी प्रतिलिपि लेकर सत्यापन के लिए पहुंचना होगा। उसके बाद आनलाइन शुल्क जमा कराने सहित प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। (जासं)

लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचा थाईलैंड छात्रों का दल

अमृत विचार लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी संचार में प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए थाईलैंड से 10 विदेशी विद्यार्थी शनिवार को विश्वविद्यालय पहुंचे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें संबोधित करते हुए कम्युनिकेशन अध्ययन में सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों के बारे में बताया। भारतीय संस्कृति और खानपान पर चर्चा की। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन और अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. आरपी सिंह ने उन्हें परिसर का भ्रमण कराया। बता दें कि एलयू में इस वर्ष 76 देशों से लगभग 1800 आवेदन आए हैं।

लविवि मल्टी इंट्री के लिए गठित की उच्च स्तरीय समिति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एनईपी 2020 के तहत अभी तक मल्टी इक्जिट (स्नातक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम में किसी भी वर्ष निकलने की सुविधा) की सुविधा दे रहा था लेकिन अब इसके साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर मल्टी इंट्री की भी सुविधा देने जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के बीच में भी प्रवेश ले सकता है। विश्वविद्यालय हर वर्ष जुलाई में प्रत्येक विषम सेमेस्टर में पाठ्यक्रम में रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रवेश लेगा। इसके लिए विस्तृत नियमावली बनाने के लिए कुलपति द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति गठित कर दी गई है। यह समिति लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय की अध्यक्षता में बनायी गयी है जबकि सदस्य सचिव के रूप में पदेन डीन एकेडमिक्स होंगे। साथ ही सदस्य के रूप में प्रो. अरविन्द अवस्थी (सेवानिवृत्त), डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा, सोशल वर्क के एचओडी राकेश द्विवेदी, मैथ्स डिपार्टमेंट के प्रो. पंकज माथुर, कामर्स डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. राम मिलन, आरएमपी पीजी कालेज सीतापुर के प्राचार्य प्रो. रजनीकांत श्रीवास्तव, कामर्स डिपार्टमेंट के प्रो. रचना मुजो शामिल हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

देश के टॉप 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में लविवि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को वेबमेट्रिक्स रैंकिंग 2024 जुलाई संस्करण में देश के शीर्ष 100 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है। एलयू को पूरे देश के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में 98वां और विश्वविद्यालयों में 47वां स्थान प्राप्त हुआ है। वेबमेट्रिक्स रैंकिंग में जगह बनाने वाला एलयू प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्व के विश्वविद्यालयों की वेबमेट्रिक्स रैंकिंग साइबरमेट्रिक्स लैब की एक पहल है। यह स्पेन के कॉन्सेजो सुपीरियर डी इंवेस्टिगेशियन्स साइंटिफिकस (सीएसआईसी) से जुडा एक रिसर्च ग्रुप है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के 31,000 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने के बाद वेबमेट्रिक्स रैंकिंग प्रदान की जाती है। कुलपति के मुताबिक एलयू अब देश का एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है। यहां एनईपी 2020 कार्यान्वयन, यूजी कार्यक्रम में चौथे वर्ष का पहला बैच, क्रेडिट ट्रांसफर, कई प्रविष्टियां और पहला एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम है। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस मान्यता, यूजीसी प्रथम श्रेणी विवि का दर्जा, एनआईआरएफ रैंकिंग आदि पाने वाला यूपी का पहला राज्य विश्वविद्यालय होने का श्रेय है। कुलपति का कहना है कि यह रैंकिंग हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध पहलों और सामुदायिक आउटरीच को बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दिखाता है।

विवि पहुंचा थाईलैंड छात्रों का दल: एलयू में अंग्रेजी संचार में प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए थाईलैंड से 10 विदेशी विद्यार्थी शनिवार को विश्वविद्यालय पहुंचे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें संबोधित करते हुए कम्युनिकेशन अध्ययन में सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों के बारे में बताया। भारतीय संस्कृति और खान पान पर चर्चा की। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन और अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. आरपी सिंह ने उन्हें परिसर का भ्रमण कराया। बता दें कि एलयू में इस वर्ष 76 देशों से लगभग 1800 आवेदन आए हैं।

Thai students arrive to pursue edu at LU

Foreign students were welcomed at Lucknow University on Saturday

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: It was a day of "Sa-wad-dee" (hello) wishes for Lucknow University officials and the vice-chancellor when 10 students from Thailand arrived on the campus to take admission at the university on Saturday. The Thai students first reported to LU's international cell to complete their admission formalities. For the first-time foreign students of a particular country have taken admission at LU in a specific course.

"These students have come to study proficiency in the English language and contextual communications offered by the department of English and Modern European Languages," said the director of the international cell, Prof RP Singh, who will also be taking classes for these students. He mentioned that in this course, students will learn about concepts, the nature and form of communication, remedial grammar and vocabulary building, business communication and academic writing, composition and presentation skills and also contextual communication in Hindi.

"In contextual communication in Hindi, students will be taught greeting and taking leave using the appropriate cultural way," said Prof Singh, who took the students on a campus tour.

Thai student Thanuwut Senachat said, "I am a cultural tourism enthusiast and want to learn English as a global language. The cultural diversity of India and the LU campus made me take admission here." Chakeet Cheundam wants to explore the food industry of India, while student Fayat Raiya.